प्रेस विज्ञप्ति

12 **जून**, 2017

रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी व विधायक, हरियाणा विधानसभा ने निम्नलिखित बयान जारी किया:-

‘‘हरियाणा के बिजली संकट के लिए प्रदेश की भाजपा सरकार जिम्मेदार’’
‘‘प्रदेश के बिजली कारखानों को बंद करने से पैदा हुआ, बिजली संकट’’
‘‘सरकार ने बिजली की जरूरत न बताकर बिजली के 5 कारखाने बंद कर दिए लेकिन जनता बिजली की कमी से भारी परेशान है।’’

प्रदेश में चल रहे बिजली संकट और जनता को हो रही परेशानी के लिए प्रदेश की भाजपा सरकार सीधी रूप से जिम्मेदार है, क्योंकि इन्होंने बिजली पैदा करने वाले पांच बिजली संयंत्र बंद कर रखे हैं। प्रदेश के शहरों व गांव में बिजली के घोषित व अघोषित कट लगाए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश की जनता बिजली की भारी कमी झेल रही है।
प्रदेश सरकार ने 1270 मेगावॉट बिजली पैदा करने की क्षमता वाले पांच बिजली कारखाने बंद कर रखे हैं, जिनमें से तीन पानीपत में, एक यमुनानगर में व एक हिसार के खेदड़ गांव में है। यमुनानगर में केवल एक बिजली संयंत्र में बिजली बनाई जा रही है, जबकि 300 मेगावॉट का बिजली संयंत्र 10 जून से बंद है। इसी प्रकार पानीपत में केवल एक 250 मेगावॉट बिजली का संयंत्र चल रहा है, जबकि 210 मेगावॉट वाले 2 बिजली संयंत्र पिछले एक महीने से बंद हैं और 250 मेगावॉट वाला बिजली संयंत्र हाल ही में बंद किया गया है। हिसार के खेदड़ में केवल एक बिजली संयंत्र काम कर रहा है, जबकि 300 मेगावॉट वाला दूसरा बिजली संयंत्र 22 मई से बंद है। इसके अलावा सरकार ने झाड़ली के एनटीपीसी बिजली संयंत्र में से भी प्रदेश के हिस्से की बिजली लेने से इंकार कर रखा है, जो कि जनता के साथ सीधा धोखा है।
मेरी मांग है कि सरकार स्पष्ट करे कि एक तरफ तो उसने बिजली की मांग न होने के नाम पर बिजली संयंत्र बंद कर रखे हैं, वहीं दूसरी ओर जनता को इस भारी गर्मी में बिजली के बिना रहने पर मज़बूर होना पड़ रहा है। सार्वजनिक तथ्य है कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में यमुनानगर, झाड़ली व खेदड़ में अनेक बिजली के कारखाने लगाए गए थे और प्रदेश में बिजली की कमी खत्म हो गई थी।
आज के युग में बिजली के बिना जीवन बहुत दुष्कर और मुश्किल है। बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करवाना सरकार का दायित्व है और सरकार इससे पीछे नहीं हट सकती। एक तरफ तो सरकार चालू हालात वाले बिजली के कारखाने नहीं चला रही, दूसरी

तरफ जनता बिजली की कमी से बेहाल है और इस स्थिति को स्वीकार नहीं किया जा सकता।